कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (69) खण्ड - {137}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- त्रिमूर्ति शिव परमात्मा

B- परमपिता

C- परम सतगुरू

D- परम शिक्षक

प्रश्न 2- सबसे सहज पुरूषार्थ है -

A- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करना

B- तुम बिल्कुल चुप रहो

C- अपने को आत्मा समझो

D- दुआएं दो दुआएं लो

प्रश्न 3- नेती- नेती कौन करते आये हैं ?

A- रचयिता और रचना को न जानने वाले

B- आस्तिक

C- संन्यासी

D- नास्तिक

प्रश्न 4- कौन सी दृष्टि बड़ी मुश्किल से निकलती है ?

A- कुदृष्टि

B- देह की

C- विकार की

D- स्त्री पुरुष की

प्रश्न 5- श्री लक्ष्मी-नारायण हैं -

A- सबसे ऊंच

B- सबसे पुण्य आत्मा हैं।

C- पूजा में ब्रह्म-विष्णु-शंकर से ऊंच है।

D- अभी है नर्क के मालिक फिर स्वर्ग के मालिक बनेंगे।

प्रश्न 6- कौन सी खुशी चेहरे से झलकनी चाहिए ?

A- हमें भगवान पढ़ाते हैं,

B- भगवान हमको विश्व की बादशाही देते हैं।

C- हम मनुष्य से देवता बनते हैं।

D- भगवान हमारा बाप टीचर और सतगुरू है

प्रश्न 7- विश्व कल्याणकारी बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है ?

A- आत्मा भाई भाई की दृष्टि

B- ज्ञान सूर्य बन शुभ भावना वा श्रेष्ठ कामना देना

C- संकल्प में विश्व कल्याण की भावना वा कामना भरी हुई हो

D- सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो।

प्रश्न 8- गलत (अलग) पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- छोटी बिन्दू

B- सालिग्राम

C- पुनर्जन्म रहित

D- सोमनाथ

प्रश्न 9- भारतवासियों के लिए सही चित्र कौन सा है ?

A- सीढ़ी का चित्र

B- त्रिमूर्ति

C- गोला

D- झाड़ का चित्र

प्रश्न 10- द्वापर कलियुग में लाइट का ताज किस पर हो सकता है ?

A- ऋषि मुनि सन्यासियों पर

B- धर्म स्थापक

C- महाराजा-महारानी पर

D- परमधाम से पहली बार आने वाली आत्मा पर

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- संन्यासी

B- पवित्र

C- सम्पूर्ण निर्विकारी

D- विकार से जन्म

प्रश्न 12- ब्राह्मण जीवन के कदम है-

A- धारणाएँ

B- दृढ़ता और एकाग्रता

C- ज्ञान योग

D- मर्यादायें

प्रश्न 13- शुद्ध संकल्पों का स्टॉक कैसे जमा करो ?

A- शुभ भावना शुभ कामना

B- मनन शक्ति

C- अनुभवी मूर्त

D- ज्ञान की गहराई से

प्रश्न 14- कौन मरमत करते हैं, जिनके पवित्र होने से भारत थमा रहता है ?

A- धर्म स्थापक

B- संन्यासी

C- भगवान

D- भक्त

प्रश्न 15- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- देवी-देवता धर्म

B- डीटी डिनायस्टी

C- डीटी रिलीजन

D- रिलीजन इज माइट

प्रश्न 16- अन्दर में कौन सी धुन लगा दो -

A- हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।

B- मै आत्मा हूँ

C- मन्मनाभव

D- बस बाबा और में

भाग (69) खण्ड {137} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.त्रिमूर्ति शिव परमात्मा*

बाबा ने कहा है - हर चित्र में जरूर लिखा हुआ हो ज्ञान सागर पतित-पावन, गीता ज्ञान दाता परमप्रिय परमपिता, परमशिक्षक, परम सतगुरू शिव भगवानुवाच। *यह अक्षर तो जरूर लिखो जो मनुष्य समझ जाएं - त्रिमूर्ति शिव परमात्मा ही गीता का भगवान है,* न कि श्रीकृष्ण।

उत्तर 2- *B.तुम बिल्कुल चुप रहो*

बाप कहते हैं *सबसे सहज पुरूषार्थ के लिए तुम बिल्कुल चुप रहो*, चुप रहने से ही बाप का वर्सा ले लेंगे। बाप को याद करना है, सृष्टि चक्र को फिराना है। बाप की याद से तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे, आयु बड़ी होगी और

चक्र को जानने से चक्रवर्ती राजा बन जायेंगे - यही है सहज पुरूषार्थ।

उत्तर 3- *C.संन्यासी*

बाप जो सर्व का सद्गति दाता है, उनको ही याद करना है। *सन्यासी गीता भल पढ़ते आये हैं परन्तु रचयिता और रचना को न जानने कारण नेती-नेती करते आये हैं।* सच्ची गीता तो सच्चा बाप ही आकर सुनाते हैं, यह है विचार सागर मंथन करने की बातें।

उत्तर 4- *D.स्त्री पुरुष की*

सदा भाई-भाई की दृष्टि रहे। स्त्री-पुरुष का जो भान है वह निकल जाए, तब बाप के वर्से का पूरा अधिकार प्राप्त हो। *परन्तु स्त्री-पुरूष का भान वा यह दृष्टि निकलना बड़ा मुश्किल है।* इसके लिए देही-अभिमानी बनने का अभ्यास चाहिए।

उत्तर 5- *B.सबसे पुण्य आत्मा है*

अभी बच्चे जानते हैं रावण राज्य में तो सब पाप ही करते हैं, *सबसे पुण्य आत्मा हैं श्री लक्ष्मी-नारायण।* हाँ, ब्राह्मणों को भी ऊंच रखेंगे जो सबको ऊंच बनाते हैं। वह तो प्रालब्ध है।

उत्तर 6- *A.हमें भगवान पढ़ाते हैं*

तुम्हारा चेहरा सदा खुशनुमा चाहिए *'हमें भगवान पढ़ाते हैं', यह खुशी चेहरे से झलकनी चाहिए*

उत्तर 7- *D.सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो*

कोई भी कार्य करते विश्व की सर्व आत्मायें इमर्ज हों। मास्टर ज्ञान सूर्य बन शुभ भावना वा श्रेष्ठ कामना के आधार से शान्ति व शक्ति की किरणें देते रहो तब कहेंगे विश्व कल्याणकारी। लेकिन *इसके लिए सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो।*

उत्तर 8- *B.सालिग्राम*

बाप कहते हैं - *मैं तुम्हारा बाप भी इतनी छोटी बिन्दू हूँ।* भक्ति मार्ग में अनेक प्रकार के नाम रख दिये हैं। कमाई के लिए अनेक मन्दिर बनाये हैं। असली नाम है शिव। *फिर सोमनाथ रखा है मैं तो पुनर्जन्म रहित हूँ।* यह शरीर इस दादा का है।

उत्तर 9- *A.सीढ़ी का चित्र*

84 का राज़ तुम बच्चों को बाप ही बैठ समझाते हैं और धर्म वाले तो 84 जन्म लेते नहीं। *भारतवासियों के लिए यह 84 जन्मों का चित्र (सीढ़ी) बड़ा अच्छा बना हुआ है।* कल्प वृक्ष का भी चित्र है गीता में। परन्तु भगवान ने गीता कब सुनाई, क्या आकर किया, यह कुछ नहीं जानते। और धर्म वाले अपने-अपने शास्त्र को जानते हैं, भारतवासी बिल्कुल नहीं जानते।

उत्तर 10- *B.धर्म-स्थापक*

वह देवतायें थे डबल सिरताज फिर आधाकल्प बाद लाइट का ताज उड़ जाता है। इस समय लाइट का ताज कोई पर भी नहीं है। *सिर्फ जो धर्म स्थापक हैं, उन पर हो सकता है* क्योंकि वह पवित्र आत्मायें शरीर में आकर प्रवेश करती हैं। यही भारत है, जिसमें डबल सिरताज भी थे, सिंगल ताज वाले भी थे।

उत्तर 11- *C.सम्पूर्ण निर्विकारी*

पवित्र रहने वालों का मान है। संन्यासी पवित्र हैं तो गृहस्थी उन्हों को माथा टेकते हैं। संन्यासी तो विकार से जन्म ले फिर संन्यासी बनते हैं। *देवताओं को तो कहा ही जाता है सम्पूर्ण निर्विकारी।* संन्यासियों को कभी सम्पूर्ण निर्विकारी नहीं कहेंगे।

उत्तर 12- *D.मर्यादायें*

मर्यादायें ही ब्राह्मण जीवन के कदम हैं, कदम पर कदम रखना माना मंजिल के समीप पहुंचना।

उत्तर 13- *B.मनन शक्ति द्वारा*

जो बच्चे ज्ञान की गहराई में जाते हैं वे अनुभव रूपी रत्नों से सम्पन्न बनते हैं। एक है ज्ञान सुनना और सुनाना, दूसरा है अनुभवी मूर्त बनना। अनुभवी कभी धोखा नहीं खा सकते। इसलिए अनुभवों को बढ़ाते हुए हर गुण के अनुभवी मूर्त बनो। *मनन शक्ति द्वारा शुद्ध संकल्पों का स्टॉक जमा करो।*

उत्तर 14- *B.संन्यासी*

महात्मायें तो फिर भी जीवन का अनुभव कर फिर विकारों को छोड़ते हैं। घृणा आती है, बच्चा तो है ही पवित्र। उनको ऊंच महात्मा समझते हैं। तो बाप ने समझाया है यह निवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी भी कुछ थमाते हैं। जैसे मकान आधा पुराना होता है तो फिर मरम्मत की जाती है। *संन्यासी भी मरम्मत करते हैं, पवित्र होने से भारत थमा रहता है।*

उत्तर 15- *D.रिलीजन इज माईट*

तुम ही पहले-पहले बिछुड़े हो तो शिवबाबा भी पहले-पहले तुमसे ही मिलते हैं। तुम्हारे खातिर बाप को आना पड़ता है। कल्प पहले भी इन बच्चों को ही पढ़ाया था जो फिर स्वर्ग के मालिक बनें। उस समय और कोई खण्ड नहीं था। *बच्चे जानते हैं हम आदि सनातन देवी-देवता धर्म के थे जिसको डीटी रिलीजन, डीटी डिनायस्टी भी कहते हैं।*

उत्तर 16- *A.हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगा कर आई हैं*

कल्प बाद फिर यही बात रिपीट होगी। ड्रामा को बड़ा अच्छी रीति समझना चाहिए। अच्छा, कोई जास्ती नहीं याद कर सकते हैं तो बाप कहते हैं सिर्फ अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। *अन्दर में यही धुन

लगा दो कि हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (369) खण्ड - {138}

प्रश्न 1- अहो सौभाग्य है जो -

A- हमें भगवान पढ़ाते हैं यह याद रहे तो।

B- बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो।

C- अपने को आत्मा समझो।

D- अपने को आत्मा समझ एक बाप को याद करें।

प्रश्न 2- मायाजीत बनने का सहज तरीका है ?

A- हर कर्म करते उपराम रहो

B- स्वयं को सदा ट्रस्टी समझो

C- मेरे पन का त्याग करो

D- कर्मयोगी बनो

प्रश्न 3- अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो ?

A- देह के अभिमान को छोड़ दिया।

B- शरीर तो खत्म हो जाता है।

C- आत्मा मरती है।

D- पुरानी देह, देह की दुनिया, देह के पदार्थों से।

प्रश्न 4- पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है -

A- हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं।

B- आत्मा मेल है, न कि फीमेल

C- हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।

D- हम आत्मा हैं हमारा पिता परमात्मा है।

प्रश्न 5 - कौन सी स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेंगे ?

A- जिम्मेवार बाप है आप निमित्त हो।

B- लौकिक जिम्मेवारी तो खेल हैं।

C- माया के बन्थन से मुक्त हैं।

D- करनकरावनहार की स्मृति से।

प्रश्न 6- लड़ाई तो विलायत में भी होती है, फिर इसको महाभारत लड़ाई क्यों कहते हैं ?

A- भगवान भारत में आते हैं।

B- गाया हुआ है, महाभारी महाभारत लड़ाई।

C- भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- शिव किस को धनवान बनाते हैं ?

A- जो सम्पूर्ण रीति शिव पर बलि चढ़ते हैं

B- ब्राह्मण बच्चों को

C- भारत

D- आत्मा को

प्रश्न 8- काल पर विजय पाते हैं -

A- सतयुग में

B- त्रेतायुग में

C- शान्तिधाम में

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 9- विनाशी धन भी साथ किनका जाता है ?

A- सबका।

B- किसी का भी नहीं।

C- जो बाप को मदद करते हैं।

D- जो भी ईश्रर अर्थ देते हैं।

प्रश्न 10- बाप आते ही हैं -

A- पतितों को पावन बनाने

B- ब्रह्मा द्वारा स्थापना करने

C- मनुष्य से देवता बनाने

D- बच्चों के सब दुःखों को खलास कर 100 प्रतिशत सुख देने।

प्रश्न 11- सदा उल्लास रहे कि -

A- ज्ञान सागर बाप हमें रोज़ ज्ञन रत्नों, जवाहरातों की थालियां भरकर देते हैं।

B- अभी ही हम भगवान के बच्चे बने हैं।

C- हम देवता बनने वाले हैं।

D- कोटों में कोई आत्मा हूं।

प्रश्न 12- कैसे मोटेपन की बीमारियों से बच जायेंगे ?

A- सदा निमित्त भाव रखने से

B- जो ज्ञान की बातों के सिवाए दूसरा कुछ भी न सुनो

C- व्यर्थ संकल्प रूपी एकस्ट्रा भोजन नहीं करो तो

D- सत्यता की शक्ति से

प्रश्न 13- साक्षात बाप समान क्या नहीं बनना है ?

A- लाइट हाउस, माइट हाउस

B- महादानी और वरदानी

C- विश्व कल्याणकारी

D- माशूक

प्रश्न 14- तुम बहुत लकी हो क्योंकि-

A- बाप की दिल पर चढ़े हुए हो।

B- तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं।

C- हम बेहद के बाप के बच्चे और बच्चियां हैं।

D- तुम भगवान के साथी हो।

प्रश्न 15- अब बाबा आया हुआ है नई दुनिया स्थापन करने, तो इस विनाश के पहले तुम -

A- अपना सब-कुछ सफल कर लो

B- अपना पुरूषर्थ करना है

C- नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो

D- कर्मातीत बनना

प्रश्न 16- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- माशूक

B- आशिक

C- स्वदर्शन चक्रधारी

D- लकी

भाग (69) खण्ड {138} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो*

निरन्तर स्मृति रहे - जो बाप हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, हम उसे याद करते हैं! बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो अहो सौभाग्य।

औरों को भी सुनाना है - बहनों और भाइयों, अब कलियुग पूरा हो सतयुग आता है।

उत्तर 2- *B.स्वंय को सदा ट्रस्टी समझो*

जैसे गन्दगी में कीड़े पैदा होते हैं वैसे ही जब मेरापन आता है तो माया का जन्म होता है। *मायाजीत बनने का सहज तरीका है - स्वयं को सदा ट्रस्टी समझो।* ब्रह्माकुमार माना ट्रस्टी, ट्रस्टी की किसी में भी अटैचमेंट नहीं होती क्योंकि उनमें मेरापन नहीं होता।

उत्तर 3- *A.देह का अभिमान छोड़ दिया*

अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो? देह के अभिमान को छोड़ दिया तो बाकी रही आत्मा। शरीर तो खत्म हो जाता है। आत्मा नहीं मरती। बाप कहते हैं जीते जी अपने को आत्मा समझो और परमपिता परमात्मा के साथ योग लगाने से आत्मा पवित्र हो जायेगी।

उत्तर 4- *C. हम आत्मा हैं, शरीर नहीं*

अभी तुम बच्चे समझते हो हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं फिर तुम आत्मायें भी शरीर छोड़ कहाँ जायेंगी? अपने घर। *पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है - हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।* आत्मा कहती है - बाबा, हम आपके हो चुके, जीते जी मर चुके हैं।

उत्तर 9- *A.जिम्मेवार बाप है आप निमित्त हो*

बन्धनमुक्त की निशानी है सदा योगयुक्त। योगयुक्त बच्चे जिम्मेवारियों के बंधन वा माया के बन्धन से मुक्त होंगे। मन का भी बन्धन न हो। लौकिक जिम्मेवारी तो खेल हैं, इसलिए डायरेक्शन प्रमाण खेल की रीति से हंसकर खेलो तो कभी छोटी-छोटी बातों में थकेंगे नहीं। अगर बंधन समझते हो तो तंग होते हो। क्या, क्यों का प्रश्न उठता है। *लेकिन जिम्मेवार बाप है आप

निमित्त हो।* इस स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेंगे।

उत्तर 10- *C. भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है*

बाप समझाते हैं यह है महाभारी महाभारत लड़ाई। कहेंगे लड़ाई तो विलायत में भी होती है फिर इसको महाभारत लड़ाई क्यों कहते हैं? *भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है।* तुम्हारे लिए नई दुनिया चाहिए तो मीठे बच्चे पुरानी दुनिया का जरूर विनाश होना चाहिए। तो इस लड़ाई की जड़ यहाँ से निकलती है। इस रुद्र ज्ञान यज्ञ से महाभारी लड़ाई, विनाश ज्वाला प्रज्जवलित हुई।

उत्तर 11- *C. भारत*

यह पढ़ाई है ही बिल्कुल शान्त में रहने की। यह बत्तियां आदि जो जलाते हैं, शो करते हैं, वह भी इसलिए

कि मनुष्य आकर पूछें आप शिव जयन्ती इतनी क्यों मनाते हो? *शिव ही भारत को धनवान बनाते हैं ना।* इन लक्ष्मी -नारायण को स्वर्ग का मालिक किसने बनाया - यह तुम जानते हो।

उत्तर 12- *D. A और B*

तुम सतयुग में जाने के लिए पुरूषार्थ करते हो। सतयुग में बहुत थोड़े रहेंगे।तुम काल पर जीत पाते हो। *वहाँ सतयुग त्रेता में कभी अकाले मृत्यु नहीं होता।* देवताओं ने काल पर विजय पाई हुई है।

उत्तर 13- *D.माशूक*

जो फर्स्टक्लास बच्चे हैं वह एक माशूक के सच्चे-सच्चे आशिक बन याद करते रहेंगे। घूमने फिरने जाते हैं तो एकान्त में बगीचे में बैठकर याद करेंगे। झरमुई झगमुई आदि वार्तालाप में रहने से वायुमण्डल खराब होता है इसलिए जितना टाइम मिले बाप को याद करने की

प्रैक्टिस करो। *फर्स्टक्लास सच्चे माशूक के आशिक बनो।*

उत्तर 14- *B.तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं*

तुम बहुत लकी हो क्योंकि तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं, इस बाप को तो फिर भी बहुत ख्यालात चलते हैं"

उत्तर 15- *C.नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो*

अब बाबा आया हुआ है नई दुनिया स्थापन करने, तो *इस विनाश के पहले तुम नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो।* भगवानुवाच मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ।

उत्तर 16- *A.माशूक*

तुम बहुत लकी हो क्योंकि तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं, स्वदर्शन चक्रधारी, तुम्हारा नाम अर्थ सहित है। जो फर्स्टक्लास बच्चे हैं वह एक माशूक के सच्चे-सच्चे आशिक बन याद करते रहेंगे। *मुरली में लकी, आशिक, स्वदर्शन चक्रधारी शब्द ब्राह्मण बच्चों के लिए आया है।माशूक तो एक शिव बाबा है।*